दीन–दुखियों की सेवा ईश्वर सेवा तुल्य है। अपाहिज को चलने की, नेत्रहीन को देखने की और बधिर को सुनने की सुविधा प्रदान कर दी जाय तो वह थोड़े से प्रयास से स्वालम्बी बन सकता है और यह सेवा समाज और राष्ट्र की महान एवं सच्ची सेवा है।

उक्त बातें **गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी एवं गोरखपुर के सांसद योगी आदित्यनाथ जी** ने गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा गुरू गोरक्षनाथ सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित विकलांगता उपकरण वितरण शिविर एवं निःशुल्क नेत्र शिविर का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये कहीं। उन्होनें कहा कि विकलांगो के लिये कृत्रिम अंग उपकरण वितरण का यह कार्यक्रम विकलांगों को सम्मान एवं स्वावलम्बन के साथ जीने की प्रेरणा देने वाला शिविर है। किसी व्यक्ति को सहायता देकर अकर्म्मयता बनाने की बजाय उसे स्वालम्बी बनाना ज्यादा महत्वपूर्ण है। जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य की सुविधा प्रदान करना तथा विकलांगो के लिए जो सुविधा उपलब्ध है उसे उन तक पहुँचाने की दृष्टि से हम लोग विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ इस प्रकार के आयोजन करते है। विकलांगता अभिशाप न बने अपितु विकलांग व्यक्ति की प्रतिभा को समाज के सम्मुख प्रस्तुत करके उसका लाभ सम्पूर्ण राष्ट्र उठा सके इस दृष्टि से उन्हें स्वालम्बी बनाने का एक यह प्रयास भर है। गोरखपुर जनपद के विभिन्न ब्लाकों में इस तरह के आयोजन करना मुख्य उद्देश्य है जिससे अधिक से अधिक विकलांग व्यक्ति लाभ उठा सकें।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये गोरखपुर की महापौर श्रीमती डॉ. सत्या पाण्डेय कहा कि विकलांग व्यक्ति कतई समाज का बोझ नही है अगर ईश्वर ने उसे एक अंग से विकलांग बनाया है तो उसे किसी अन्य क्षेत्र में प्रतिभा ईश्वर प्रदान करता है उस छुपी प्रतिभा को उजागर करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। गोरक्षपीठ का यह प्रयास अत्यन्त ही अनुकरणीय है।

मंच का संचालन करते गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सी.एम.सिन्हा ने कहा कि हमारा प्रयास है कि शासन की योजनाओं का लाभ विकलांग व्यक्तियों को अधिक से अधिक पहुँचे। कार्यक्रम में आये अतिथियों का स्वागत चिकित्सालय के निदेशक बिग्रेडियर (डॉ.) के.पी.बी.सिंह ने तथा आभार डॉ अवधेश अग्रवाल ने किया।

योगी जी ने 100 विकलांगो को ट्राइसाइकिल, 10 को व्हील चेयर, 72 को बैशाखी, 23 को कान की मशीन, 02 को ब्लाइड स्टीक, 07 वृद्धा छड़ी वितरित किये गये। विकलांग उपकरण वितरण कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से एलिम्को के अधिकारी आर0पी0चतुर्वेदी, ओ0पी0सिंह तथा जिला विकलांग पुर्नवास केन्द्र चरगांवा के शंकर दयाल, धीरेन्द्र सिंह, अयोध्या प्रसाद आदि तकनीशियन, कर्मियों ने अपना योगदान दिया। इस अवसर पर डॉ0 पुणेन्दु राय, डॉ0 महेश चौधरी, डॉ. राकेश पाण्डेय, डॉ0 शशांक कुमार, डॉ0 एम0एल0जायसवाल, डॉ0 संतोष तिवारी, डॉ. ए0पी0 त्रिपाठी, डॉ0 जी0के0गुप्ता, डॉ0 मधुसूदन सिंह, डॉ0 देवी प्रसाद, डॉ0 राकेश तिवारी सहित भाजपा महानगर अध्यक्ष डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह, हियुवा के प्रदेश कार्यालय प्रभारी ई0 पी0के0मल्ल, ब्लाक प्रमुख गजेन्त प्रताप सिंह, पवन त्रिपाठी, ऋषि मोहन वर्मा, शशांक वर्मा, रणजीत सिंह, लालजी सिंह, अंगद कुशवाहा, स्वामीनाथ खरवार, दीपक चौहान आदि लोग उपस्थित थे। निःशुल्क नेत्र शिविर में 300 से अधिक मरीजों की जांच हुआ जिसमें 57 मोतियाबिन्द के मरीज चिन्हित किये गये जिनको निर्धारित तिथि पर आपरेशन के लिये बुलाया गया है।